हमारे उद्देश्य/हमारा मुख्य क्षेत्र

नीपको देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में कार्य करता है और सीएसआर पहल/कार्यक्रम नीपको के ऑपरेटिंग स्टेशनों के आस-पास, निष्पादन के तहत परियोजनाओं और अन्य प्रतिष्ठानों में बेसलाइन सर्वेक्षण मूल्यांकन द्वारा निर्देशित उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार उचित परामर्श और हितधारकों की भागीदारी के साथ कार्यान्वित किए जाते हैं। कंपनी की सीएसआर नीति का ध्यान शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे के विकास, क्षमता निर्माण और अन्य सामान्य कल्याण के क्षेत्र में सामुदायिक विकास के मुद्दे पर स्थिर रहता है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, नीपको समाज के सतत विकास और जिन समुदायों की सेवा करता है उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में, नीपको समाज के सतत विकास और जिन समुदायों की सेवा करता है उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य सामुदायिक जरूरतों पर विशेष ध्यान देने के साथ निगम के ऑपरेटिंग स्टेशनों, कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं और अन्य प्रतिष्ठानों के आसपास सामुदायिक विकास करना।

शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य सामुदायिक जरूरतों पर विशेष ध्यान देने के साथ ऑपरेटिंग स्टेशनों, निष्पादन के तहत परियोजनाओं और निगम के अन्य प्रतिष्ठानों के पड़ोस में सामुदायिक विकास करना। हितधारकों के परामर्श से सामाजिक परियोजनाओं की पहचान के लिए मजबूत तंत्र अपनाया गया है। परियोजनाएं घरेलू संसाधनों या अन्य एजेंसियों जैसे सरकारी एजेंसी/स्थानीय पंचायत/एनजीओ आदि के माध्यम से कार्यान्वित की जाती हैं।

- शिक्षा को बढ़ावा देना
- स्वास्थ्य निवारक देखभाल
- उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी)
- ग्रामीण एवं अन्य क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम
- स्वच्छ भारत अभियान

संक्षिप्त विषय

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (नीपको) लिमिटेड, एक शेड्यूल ए-मिनी रत्न (श्रेणी-I) सीपीएसई का गठन अप्रैल, 1976 में भारत सरकार के उद्यम के रूप में संपूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र में बिजली स्टेशनों की योजना बनाना, प्रचार करना, व्यवस्थित करना, जांच करना, सर्वेक्षण करना, डिजाइन करना, अधिग्रहण करना, निर्माण करना, उत्पादन करना, संचालन करना और रखरखाव करना किया गया था। निगम, 44 वर्षों के सफल संचालन के बाद, 2057 मेगावाट की अधिष्ठापित क्षमता के साथ पूर्वोत्तर की एक प्रमुख विद्युत उपयोगिता है, जिसमें जलविद्युत, प्राकृतिक गैस आधारित/थर्मल पावर स्टेशनों के साथ-साथ सौर ऊर्जा भी शामिल है और इसने पूर्वोत्तर क्षेत्र में बिजली परिदृश्य में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सशक्त और अथक प्रयासों से, यह आज तक देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र की सबसे भरोसेमंद बिजली उपयोगिता बन गई है।

सीएसआर पहल:

अपनी स्थापना के बाद से, नीपको ने अपने परिचालन क्षेत्रों में और उसके आसपास रहने वाले लोगों के सर्वांगीण विकास को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई के रूप में नीपको ने विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य सामुदायिक आवश्यकताओं के क्षेत्र में विभिन्न सामुदायिक विकास गतिविधियाँ शुरू की हैं।

कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014, एमसीए सामान्य परिपत्र संख्या 21/2014 दिनांक 18.06.2014 और समय-समय पर जारी संशोधित डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार, नीपको की सीएसआर नीति को फरवरी 2023 को निदेशक मंडल द्वारा संशोधित और अनुमोदित किया गया है।

नीपको सीएसआरएंडएस नीति 2023, अपने व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ तरीके से पारदर्शी और नैतिक तरीके से संचालित करने के लिए अपने हितधारकों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है। तदनुसार, सीएसआर और स्थिरता गतिविधियों का निर्धारण करते समय इसके परिचालन क्षेत्र अर्थात् परियोजनाओं/संयंत्रों/कार्यालयों के आसपास के हितधारकों को प्राथमिकता दी गई है।